Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 24 August 2024

Dainik Jagran
Page - 05

गोवि ने 24 अगस्त तक दिया है अभ्यर्थियों को प्रमाण-पत्र के सत्यापन का अवसर

सत्यापन नहीं तो निरस्त होगा अभ्यर्थन

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की विभिन्न कक्षाओं के लिए प्रवेश की दूसरी काउंसलिंग गुरुवार को समाप्त हो गई। प्रमाण पत्रों के सत्यापन के बाद परिसर में आवंटित 96 प्रतिशत सीटों पर प्रवेश पूरा हो चुका है। प्रवेश फीस जमा करने के बावजूद अब तक किन्हीं कारणों से प्रमाणपत्र सत्यापन न करा पाने वाले अभ्यर्थियों को 24 अगस्त तक अंतिम अवसर दिया गया है। इसके बाद उनके आवंटन निरस्त कर दिए जाएंगे। बीए आनर्स की आफलाइन काउंसलिंग भी समाप्त हो चुकी है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार बीते वर्ष की तुलना में इस वर्ष 12 प्रतिशत से अधिक सीटों पर प्रवेश हुआ है।

प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो हर्ष कुमार सिन्हा ने बताया कि केंद्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया में सम्मिलित महाविद्यालयों में भी अनेक पाठ्यक्रमों में प्रवेश कार्य 90 प्रतिशत पूरा हो चुका है। जिन पाठ्यक्रम में सीट आवंटन के बाद अभ्यर्थियों ने अग्रेतर प्रक्रिया पूरी नहीं की है, वहां उन अभ्यर्थियों के आवंटन भी निरस्त कर नए अभ्यर्थियों को सीटें आवंटित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि जिन पाठ्यक्रमों में सीटें रिक्त रह जाएंगी, वहां अंतिम चरण की काउंसलिंग के विषय में विचार किया जाएगा। इस विषय में निर्देश प्रवेश पोर्टल पर जल्द जारी कर दिया जाएगा।

बीए आनर्स की आफलाइन काउंसलिंग समाप्त, बीते वर्ष की तुलना में इस बार 12 प्रतिशत से अधिक सीटों पर हुआ प्रवेश

आज से आवेदन कर सकेंगे फार्मेसी व बीसीए के अभ्यर्थी

प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने बताया कि कि परिसर में इस सत्र से प्रारंभ होने वाले बीफार्म, डीफार्म, एमएस इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बीसीए इन मशीन लर्निंग एंड डेटा साइंस और बीसीए इन इंटरनेट आफ थिंग्स के लिए प्रवेश प्रक्रिया शनिवार से शुरू होगी। इच्छुक अभ्यर्थी आवेदन विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर आनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

गोवि में महिला सुरक्षा पर जीरो टालरेंस : कुलपति

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह के उपलक्ष्य में शुक्रवार को विश्वविद्यालय की महिला वेलफेयर एसोसिएशन और आंतरिक शिकायत समिति की ओर से संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यस्थल पर महिला सुरक्षा विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो.पूनम टंडन ने कहा कि विश्वविद्यालय में महिला सुरक्षा को लेकर जीरो टालरेंस है। उन्होंने महिला हास्टलों में पिंक बूथ बनाने एवं काउंसिलिंग सेशन आयोजित करने का सुझाव दिया।

डा.अमृता जयपुरियार ने महिलाओं के खिलाफ अपराध के लिए नशा और मानसिक विकार को जिम्मेदार बताया। उन्होंने महिलाओं को सोशल मीडिया, डेटिंग एप्स से सुरक्षित रहने की सलाह दी। सीओ कैंट अंशिका वर्मा ने महिला हेल्पलाइन और साइबर क्राइम के विषय में जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद भी किया और शिकायतों को सुनकर समाधान करने की भी कोशिश की। प्रो.नंदिता सिंह ने महिलाओं की सुरक्षा में उनकी जिम्मेदारियों के बारे में भी बताया। इस दौरान प्रो.प्रज्ञा चतुर्वेदी, प्रो.हर्ष सिन्हा, प्रो.सुधा यादव, प्रो. उषा सिंह, प्रो.अनुभूति दुबे, प्रो.दिव्या रानी सिंह आदि मौजूद रहीं। संचालन डा.अर्चना भदौरिया ने किया।

Amar Ujala
Page - 07

संस्थाओं में महिला सुरक्षा और अधिक पुख्ता करने की जरूरत

संवाद न्यूज एजेंसी

संगोष्ठी में मंचासीन कुलपति प्रो. पूनम टंडन व अन्य। स्रोत- डीडीयू

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के 43वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर गोरखपुर यूनिवर्सिटी वुमेंस वेलफेयर एसोसिएशन और इंटर्नल कंप्लेंट कमेटी की ओर से ''कार्यस्थल पर महिला सुरक्षा'' विषयक संगोष्ठी का आयोजन संवाद भवन में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि संस्थाओं में महिला सुरक्षा और अधिक पुख्ता करने की जरूरत है। इस संदर्भ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करना होगा।

उन्होंने महिला छात्रावासों में पिंक बूथ बनाने एवं काउंसिलिंग सेशन आयोजित करने का सुझाव दिया। साथ ही सोशल मीडिया, डेटिंग एप से सुरक्षित रहने की सलाह दी। मुख्य वक्ता डॉ. अमृता जयपुरियार ने महिलाओं के खिलाफ अपराध के लिए नशा और मानसिक विकार को जिम्मेदार बताया।

सीओ कैंट आईपीएस अंशिका वर्मा ने महिला हेल्पलाइन एवं साइबर क्राइम के बारे में भी जानकारी दी। संगोष्ठी में मौजूद विद्यार्थियों से संवाद भी किया और उनकी शिकायतों को सुनकर समाधान करने की भी कोशिश की।

प्रो. नंदिता आईपी सिंह एवं प्रो. प्रज्ञा चतुर्वेदी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अर्चना भदोरिया एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. सुनीता मुर्मू ने दिया। कार्यक्रम के दौरान प्रो. हर्ष सिन्हा, प्रो. सुधा यादव, प्रो. सुषमा पांडेय आदि मुख्य रूप से मौजूद रहीं।

दीक्षांत : बेटियों ने लहराया परचम
राज्यपाल के हाथों मिलेगा स्वर्ण पदक

गोरखपुर विश्वविद्यालय के 43वें दीक्षांत समारोह में 55 में से 47 पदक बेटियों को

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में स्वर्ण पदक के मामले में छात्राओं ने छात्रों को काफी पीछे छोड़ दिया है। 30 अगस्त को होने वाले 43वें दीक्षांत समारोह में कुल 55 विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक में 47 छात्राओं को मिलेंगे। कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन इन्हें मेडल पहनाएंगी। बेटियों ने विश्वविद्यालय के साथ-साथ अपने माता-पिता और शिक्षकों का नाम रौशन किया है।

पीपल पौधरोपण से हुआ दीक्षांत सप्ताह का आगाज

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कला संकाय भवन परिसर में पीपल पौधरोपण के साथ दीक्षांत सप्ताह का शुभारंभ किया। राष्ट्रीय सेवा योजना कला संकाय भवन परिसर में पीपल वाटिका विकसित करेगा। इस दौरान अनुश्रवण समिति की संयोजक प्रो. नंदिता सिंह, एनएसएस समन्वयक डॉ. सत्यपाल सिंह आदि मौजूद रहे। संवाद

किताब के साथ प्रैक्टिकल पर दिया ध्यान

एमए विजुअल आर्ट की टॉपर प्रतिष्ठा मिश्रा ने अपनी कला और सूझबूझ से विषय को टॉप किया। देवरिया के पिपरा मिश्र गांव की रहने वाली प्रतिष्ठा ने बताया कि उसने पाठ्यक्रम के साथ प्रैक्टिकल पर ज्यादा ध्यान दिया। इसका उसे काफी लाभ मिला। कहा कि प्रैक्टिकल की मदद से हम अपनी कला को और निखार सकते हैं। यह भी बताया कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर विद्यार्थी अपनी पेंटिंग को लोगों के बीच पेश कर आ सकते हैं। यह उनके लिए एक अच्छा आय का स्रोत हो सकता है।

प्रतिष्ठा मिश्रा।

यूट्यूब की मदद से की पढ़ाई

बीबीए की टॉपर जिज्ञासा शाही ने बताया कि कोरोना के समय उसका प्रवेश हुआ। परीक्षा का पैटर्न बदल कर सीबीसीएस मोड में हो गया था, जिससे पहले सेमेस्टर में काफी परेशानी हुई थी। शिक्षकों के नोट्स काफी लाभदायक थे। यूट्यूब की मदद से भी पढ़ाई की। कहा कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल सकारात्मक रूप से करें तो यह बहुत अच्छा है। महुआपार बड़हलगंज की जिज्ञासा ने बताया कि पढ़ाई में शिक्षकों और अभिभावकों का साथ मिला जिसकी वजह से यह सफलता मिली है।

जिज्ञासा शाही।

सिविल सेवा में जाना चाहती हैं दीपशिखा

एमए मनोविज्ञान की टॉपर दीपशिखा सिंह ने बताया कि वो पढ़ाई के साथ ही सिविल सर्विस और यूजीसी नेट की तैयारी कर रही हैं। दीपशिखा का कहना है शिक्षकों के नोट्स को यदि अच्छे से पढ़ लिया जाए तो परीक्षा में अच्छे अंक हासिल किए जा सकते हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय विभाग के शिक्षकों और माता-पिता को दिया। बताया कि वह अपना ज्यादातर समय समय किताबों के बीच व्यतीत करतीं हैं।

दीपशिखा सिंह।

प्रदर्शनी में मनमोहक प्राकृतिक दृश्यों को उकेरा

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के 43वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर ललित कला एवं संगीत विभाग द्वारा दो दिवसीय 'सैरा चित्र प्रदर्शनी' का आयोजन अमृता कला वीथिका में किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने अत्यंत ही मोहक प्राकृतिक दृश्यों को उकेरा। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने दीप प्रज्वलन व कैनवस पर रंग, ब्रश द्वारा 43 लिखकर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं ने प्रदर्शनी में अत्यंत ही मोहक प्राकृतिक दृश्यों को उकेरा है। संवाद

प्रतियोगिता में दो उत्कृष्ट विद्यार्थियों का चयन

गोरखपुर। दीक्षांत सप्ताह के तहत गोरखपुर विश्वविद्यालय की ओर से गोद लिए गांवों में संचालित बेसिक और माध्यमिक विद्यालयों के बीच अंतिम चरण की प्रतियोगिता शुक्रवार को विश्वविद्यालय परिसर में संपन्न हुई। चित्रकला, भाषण एवं कहानी-कथन में दो उत्कृष्ट विद्यार्थियों का चयन होना है। इन्हें कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल दीक्षांत समारोह में सम्मानित करेंगी। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि 10 अगस्त से चल रही प्रतियोगिता का आज आखिरी पड़ाव है। प्रो. दिव्या रानी सिंह, जिला व्यायाम शिक्षिका रीना सिंह, डॉ. विनय मल्ल, डॉ. आशुतोष सिंह, डॉ. अखिलेश सिंह की अहम भूमिका रही। संवाद

डीडीयू : फार्मेसी व बीसीए के लिए आवेदन आज से

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में डी-फार्मा, बी-फार्मा और बीसीए आईओटी के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शनिवार से शुरू होगी। विश्वविद्यालय में इसी सत्र से बी-फार्मा, डी-फार्मा, एमएस (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), बीसीए (मशीन लर्निंग एंड डेटा साइंस) और बीसीए (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) की पढ़ाई होगी। प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष सिन्हा ने बताया कि विभिन्न कक्षाओं के लिए प्रवेश की दूसरी काउंसलिंग बृहस्पतिवार को समाप्त हो गई। संवाद

Hindustan
Page - 06

43वें दीक्षांत समारोह पर 'कार्यस्थल पर महिला सुरक्षा' विषयक संगोष्ठी में डीडीयू कुलपति ने कहा

महिला सुरक्षा को और अधिक पुख्ता करें

डीडीयू

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने अपने 43वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर संवाद भवन में शुक्रवार को महिला सुरक्षा विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया। यह संगोष्ठी गोरखपुर यूनिवर्सिटी विमेंस वेलफेयर एसोसिएशन और इन्टरनल कंप्लेंट कमेटी द्वारा आयोजित की गई।

संगोष्ठी की अध्यक्षता कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने की, जिन्होंने अपने संबोधन में कहा कि महिला सुरक्षा को और अधिक पुख्ता करने की आवश्यकता है। उन्होंने जीरो टोलरेन्स की नीति पर जोर देते हुए महिला छात्रावासों में पिंक बूथ स्थापित करने और काउंसलिंग सेशन्स आयोजित करने का सुझाव दिया। मुख्य वक्ता डॉ. अमृता जयपुरियार ने महिलाओं के खिलाफ अपराध के लिए नशा और मानसिक विकार को जिम्मेदार ठहराया और सोशल मीडिया व डेटिंग ऐप्स से सतर्क रहने की सलाह दी। सीओ कैंट अंशिका वर्मा ने विभिन्न प्रकार के उत्पीड़न और महिला हेल्पलाइन के बारे में जानकारी दी, साथ ही विद्यार्थियों के सवालों का उत्तर भी दिया।

प्रो. नंदिता आईपी सिंह ने गोरखपुर यूनिवर्सिटी विमेंस वेलफेयर एसोसिएशन (गुवावा) की स्थापना और उसके कार्यों के बारे में बताया, जबकि प्रो. प्रज्ञा चतुर्वेदी ने इंटरनल कंप्लेंट कमेटी (आईसीसी) की कार्यप्रणाली और यूजीसी की भूमिका पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अर्चना भदोरिया ने किया और धन्यवाद ज्ञापन प्रो. सुनीता मुर्मु ने दिया। इस अवसर पर कई प्रोफेसर और डॉ. भी उपस्थित थे, जिनमें प्रो. हर्ष सिन्हा, प्रो. सुधा यादव, प्रो. सुषमा पांडेय, प्रो. उषा सिंह, प्रो. अनुभूति दुबे, और अन्य शामिल थे।

छात्रों ने प्रसन्नता के भावों को रंगोली के माध्यम से दर्शाया : डीडीयू के 43वें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में मनोविज्ञान विभाग ने शुक्रवार से एक सप्ताह तक रंगोली और पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। रंगोली प्रतियोगिता का थीम 'प्रसन्नता का प्रतिबिम्ब' था, जिसमें छात्राओं ने रंगों के माध्यम से प्रसन्नता के विभिन्न पहलुओं को दर्शाया।

27 तक पात्रता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें प्रतिभागी

गोरखपुर। डीडीयू का 43वां दीक्षान्त समारोह 30 अगस्त को मनाया जाएगा। उनका नाम स्वर्ण पदक के लिए चयनित किया गया है, उन्हें 27 अगस्त सोमवार तक पात्रता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है। प्राप्तकर्ता छात्र/छात्राओं को प्रशासनिक भवन स्थित अभिलेख कक्ष से या विश्वविद्यालय की वेबसाइट से पात्रता प्रमाणपत्र का प्रिंट निकालना होगा। इसके साथ ही उन्हें संबंधित विभागाध्यक्ष, संकायाध्यक्ष या प्राचार्य से एक फोटो और समस्त कक्षाओं की अंकतालिकाओं की छायाप्रति प्रमाणित करानी होगी। निर्धारित तिथि तक दस्तावेज जमा न करने पर छात्र/छात्राओं को दीक्षान्त समारोह में सम्मिलित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

कविता व कहानी से छात्रों ने दिखाई अपनी रचनात्मकता

गोरखपुर। डीडीयू में 43वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर दीक्षांत सप्ताह के अंतर्गत अंग्रेजी विभाग ने शुक्रवार को रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में विभाग के परास्नातक और शोध छात्रों ने अपनी साहित्यिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में छात्रों ने कविता और कहानी के माध्यम से पर्यावरण, बनारस, अंग्रेजी विभाग, और नारीवाद जैसे विविध विषयों पर अपनी रचनाएं प्रस्तुत की। उनकी लेखनी ने साहित्यिक कौशल के साथ-साथ रचनात्मकता और नए दृष्टिकोण को भी उजागर किया। अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. अजय कुमार शुक्ल ने इस प्रतियोगिता की महत्वता को बताते हुए कहा कि यह छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा के विकास का एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्राकृतिक दृश्यों के चित्रण में छात्रों ने किया शानदार काम

दीक्षांत सप्ताह के तहत सैरा चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन करतीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन।

गोरखपुर, निज संवाददाता। डीडीयू के 43वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर ललित कला एवं संगीत विभाग द्वारा 'सैरा चित्र प्रदर्शनी' का आयोजन किया गया। यह दो दिवसीय प्रदर्शनी अमृता कला वीथिका में हुई, जिसका उद्घाटन कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने दीप प्रज्वलन कर किया। प्रो. टंडन ने प्रदर्शनी की सराहना करते हुए कहा कि प्राकृतिक दृश्यों के चित्रण में छात्रों ने शानदार काम किया है। उन्होंने कलाकारों को अपनी कला को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने का आह्वान किया।

प्रदर्शनी की संयोजिका प्रोफेसर उषा सिंह ने बताया कि इसमें 50 नवोदित चित्रकारों के चित्र शामिल हैं। प्रदर्शनी में चित्रकारों में विष्णु देव शर्मा, आकाश यादव, देवानंद, निधि पासवान, और अन्य शामिल थे। कार्यक्रम में कला संकाय के प्रमुख प्रोफेसर कीर्ति पांडेय और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पीपल-वाटिका के निर्माण से शुरू हुआ दीक्षांत समारोह सप्ताह : कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने दीक्षांत समारोह सप्ताह की शुरुआत पीपल पौधारोपण से की। यह कार्यक्रम कला संकाय भवन परिसर में आयोजित हुआ, जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक, कार्यक्रम अधिकारी, और स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

फार्मेसी व बीसीए के लिए आवेदन आज से

गोरखपुर। डीडीयू में डी फार्मा, बी फार्मा और बीसीए आईओटी के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शनिवार से शुरू होगी। विश्वविद्यालय में इसी सत्र से बी फार्मा, डी फार्मा, एमएस, बीसीए (मशीन लर्निंग एंड डेटा साइंस) और बीसीए (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) की पढ़ाई होगी।

प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष सिन्हा ने बताया कि विभिन्न कक्षाओं के लिए प्रवेश की दूसरी काउंसलिंग बृहस्पतिवार को समाप्त हो गई। प्रमाण पत्रों के सत्यापन के बाद परिसर में आवंटित 96 प्रतिशत सीटों पर प्रवेश पूरा हो चुका है। इस सत्र में लगभग सभी पाठ्यक्रमों में दूसरे चरण तक आधे अधिक सीटों पर प्रवेश पूरा हो चुका है।

अंतरिक्ष कार्यक्रमों के बारे में दी गई जानकारी

गोरखपुर। डीडीयू के भौतिक विभाग ने शुक्रवार को पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस उत्सव आयोजित किया। इस वर्ष का उत्सव चंद्रमा को छूते हुए जीवन को छूना: भारत की अंतरिक्ष गाथा थीम पर आधारित था। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अपरा त्रिपाठी ने किया और प्रो. रविशंकर सिंह ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया। शोध छात्र रंजना जायसवाल और मीनाक्षी सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया।

Rashtriya Sahara
Page - 09

प्राकृतिक दृश्यों पर 50 नवोदित चित्रकारों के चित्र प्रदर्शित

गोरखपुर(एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के 43 वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर ललित कला एवं संगीत विभाग द्वारा दो दिवसीय 'सैरा चित्र प्रदर्शनी' का आयोजन अमृता कला वीथिका में किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने कैनवास पर रंग व ब्रश से 43 लिखकर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में करीब 50 नवोदित चित्रकारों ने मनमोहक प्राकृतिक छटा को कैनवास पर कूंची और रंगों के माध्यम से साकार करने की कोशिश की है।

बतौर मुख्य अतिथि उन्होंने कहा कि ललित कला और संगीत विभाग के छात्र छात्राओं द्वारा सैरा चित्र प्रदर्शन में अत्यंत ही मोहक प्राकृतिक दृश्यों को उकेरा गया है। कलाकारों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा की अपनी कला को अपने शहर से निकालकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने की आवश्यकता है।

प्रदर्शनी की संयोजिका प्रो. उषा सिंह ने कहा कि सैरा चित्र प्रदर्शनी में कुल 50 नवोदित चित्रकारों के चित्र प्रदर्शित किए गए जो पूरी तरह से प्राकृतिक सौंदर्य पर आधारित हैं। इस असवर पर प्रो. कीर्ति पाण्डेय (अधिष्ठाता कला संकाय) प्रो. अनुभूति दुबे (अधिष्ठाता छात्र कल्याण) प्रो. नंदिता आई पी सिंह ,प्रो उमेश नाथ तिवारी, प्रो गौर हरी बेहरा, प्रो. बीना बत्रा, पूर्व आचार्य ड भारत भूषण तथा आयोजक मंडल के सदस्य डॉ. गौरीशंकर चौहान, डा. प्रदीप कुमार साहनी, डा. प्रदीप राजोरिया तथा विभाग के समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे ।

अमृत कला वीथिका में सैरा चित्र प्रदर्शनी का शुभारम्भ कर अवलोकन करतीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन।

- ललित कला एवं संगीत विभाग में दो दिवसीय सैरा चित्र प्रदर्शनी
- कुलपति ने कैनवास पर रंग से 43 लिखकर किया उद्घाटन
- कलाप्रेमियों एवं विद्यार्थियों ने दिखाई विशेष रुचि

पीपल वाटिका के निर्माण से दीक्षांत समारोह सप्ताह का शुभारंभ

गोरखपुर(एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने शुक्रवार को 43वें दीक्षांत समारोह सप्ताह का शुभारंभ कला संकाय भवन परिसर में पीपल पौधारोपण के साथ किया। राष्ट्रीय सेवा योजना कला संकाय भवन परिसर में पीपल वाटिका विकसित करेगा। इसी क्रम में रासेयो द्वारा प्रस्तावित पीपल-वाटिका निर्माण के तहत कुलपति द्वारा पीपल का पौधा रोपकर इसका शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में एनएसएस के समन्वयक, कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

रंगोली के माध्यम से छात्रों ने जाहिर की प्रसन्नता : मनोविज्ञान विभाग में रंगोली एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रंगोली प्रतियोगिता का थीम प्रसन्नता का प्रतिबिम्ब रखा गया जिसके अंतर्गत छात्राओं ने रंगोली के माध्यम से प्रसन्नता के भाव को विभिन्न पहलुओं के द्वारा प्रदर्शित किया। पोस्टर प्रतियोगिता का थीम रैगिंग एवं साइबर बुल्लियंग के मनोवैज्ञानिक प्रभाव था, जहां छात्रों ने पोस्टर के माध्यम से इसके दुष्प्रभावों को दिखाया। रैगिंग एवं साइबर बुल्लियंग के परिणाम स्वरुप युवायों में एवं आत्मघाती विचार की बढती प्रवृति, अवसाद , कॉलेज ड्राप जैसी घटनाओं को पोस्टर द्वारा इंगित किया गया।

विभिन्न विभागों में भी आयोजित हुए कार्यक्रम : बायोटेक्नोलोजी विभाग में वाद-विवाद कार्यक्रम का हुआ आयोजन किया। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्विद्यालय, गोरखपुर के वनस्पति विज्ञान विभाग में विभिन्न कार्यक्रम निबंध, रंगोली, आशु भाषण, आमंत्रित व्याख्यान प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रो. सुधा यादव ने प्रतियोगियों के द्वारा बनायें गयी रंगोली का निरीक्षण किया तथा उत्कृष्ट तीन रंगोली को चयनित किया गया।

शोध परीक्षार्थियों की चयन प्रक्रिया स्थगित

गोरखपुर । शिक्षाशास्त्र विभाग में पार्ट टाइम शोध परीक्षार्थियों की चयन प्रक्रिया अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गयी है। प्रवेश प्रक्रिया की तिथि बाद में दी जायेगी। यह जानकारी विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, शिक्षाशास्त्र विभाग,ने दी।

Amar Ujala Select
Page - 04

पौधरोपण से दीक्षांत सप्ताह का आगाज

पीपल का पौधा लगातीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन व अन्य।

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कला संकाय भवन परिसर में पीपल पौधरोपण के साथ दीक्षांत सप्ताह का शुभारंभ किया। राष्ट्रीय सेवा योजना कला संकाय भवन परिसर में पीपल वाटिका विकसित करेगा। इस दौरान अनुश्रवण समिति की संयोजक प्रो. नंदिता सिंह, एनएसएस समन्वयक डॉ. सत्यपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

बेसिक और माध्यमिक विद्यालयों की हुई अंतिम चरण की प्रतियोगिता

गोरखपुर। दीक्षांत सप्ताह के तहत गोरखपुर विश्वविद्यालय की ओर से गोद लिए गांवों में संचालित बेसिक और माध्यमिक विद्यालयों के बीच अंतिम चरण की प्रतियोगिता शुक्रवार को विश्वविद्यालय परिसर में संपन्न हुई। चित्रकला, भाषण एवं कहानी-कथन में दो उत्कृष्ट विद्यार्थियों का चयन होना है। इन्हें कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल दीक्षांत समारोह में सम्मानित करेंगी। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि 10 अगस्त से चल रही इस प्रतियोगिता का आज आखिरी पड़ाव है। सभी विद्यालयों से उत्कृष्ट मेधा का चयन किया गया है।

विद्यार्थियों ने दिखाई रचनात्मकता

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दीक्षांत सप्ताह के अंतर्गत अंग्रेजी विभाग में लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें परास्नातक एवं शोध छात्रों ने अपनी साहित्यिक प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिता में छात्रों ने अपनी रचनात्मकता, विचारशीलता और नए दृष्टिकोण को भी प्रस्तुत किया। विभागाध्यक्ष प्रो. अजय कुमार शुक्ल ने कहा कि रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता ने छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा के विकास के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया है। यह आयोजन छात्रों के बौद्धिक और रचनात्मक क्षमताओं को विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

Inext
Page - 04

डीडीयू में पढ़ने वाले यूजी और पीजी दोनों के स्टूडेंट्स को सॉफ्ट स्किल डेवलप करने के लिए ट्रेनिंग दी जा रही है. इस योजना को बेहतर तरीके से लागू करने के लिए यहां कई संस्थाएं भी सहयोग कर रही हैं.

प्रो. पूनम टंडन,
वीसी डीडीयू

दीक्षांत सप्ताह में रचनात्मक लेखन

GORAKHPUR (23 August): दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 43वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर शुक्रवार को दीक्षांत सप्ताह शुरू हुआ. अंग्रेजी विभाग ने 23 अगस्त को रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया. प्रतियोगिता में विभाग के पीजी एवं शोध छात्रों ने भाग लिया. छात्रों ने अपनी लेखनी के माध्यम से अपनी रचनात्मकता, विचारशीलता और नए दृष्टिकोण का परिचय दिया. इस मौके पर अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. अजय कुमार शुक्ल, डॉ. पंकज सिंह, डॉ. आमोद राय, डॉ. कल्पना दिवाकर मौजूद रहे.

Swatantra Chetna
Page -05

43 वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर दो दिवसीय सैरा चित्र प्रदर्शनी आयोजित

☐ कुलपति ने किया उद्घाटन, कलाप्रेमियों एवं विद्यार्थियों ने दिखाई विशेष रुचि

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर ।दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के 43 वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर ललित कला एवं संगीत विभाग द्वारा दो दिवसीय सैरा चित्र प्रदर्शनी का आयोजन अमृता कला वीथिका में किया गया । प्रदर्शनी का उद्घाटन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने दीप प्रज्वलन कर तथा कैनवस पर रंग, ब्रश द्वारा 43 लिखकर 43 वें दीक्षांत समारोह का शुभारंभ किया ।बतौर मुख्य अतिथि उन्होंने कहा कि ललित कला और संगीत विभाग के छात्र छात्राओं द्वारा सैरा चित्र प्रदर्शन में अत्यंत ही मोहक प्राकृतिक दृश्यों को उकेरा गया है प्रकृति की सुंदरता सभी को प्रभावित और आकर्षित करती हैं हम सभी प्रकृति की गोद में पलते और बढ़ते है चित्रकार आदिकाल से ही अपनी कृतियों में प्रकृति का अंकन करता चला आ रहा है और अपनी कला द्वारा जनमानस को आनंदित करता रहा है सभी कलाकारों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा की अपनी कला को अपने शहर से निकालकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने की आवश्यकता है । प्रदर्शनी में जिन चित्रकारों के चित्र प्रदर्शित हुए उनमें विष्णु देव शर्मा, आकाश यादव, देवानंद, अनुष्का साहनी, निधि पासवान, सनी निषाद, उज्जमा फातिमा, अंकित पटेल, काजल भारती, बबीता यादव, रूबी पासवान, तृप्ति, अंजना, सुमन कुमारी, मोनिका रावत, प्रियंका गौतम, आदेश राज, विजय शर्मा, ज्योति शर्मा, हर्षिता आर्य, प्रकाश राव, चंदन सिंह, अनामिका कुमारी, शालू सिंह, तुषार सोनकर आदि थे इस असवर पर प्रो० कीर्ति पाण्डेय प्रो० अनुभूति दूबे , प्रो० नंदिता सिंह ,प्रो०उमेश नाथ तिवारी, प्रो० गौर हरी बेहरा, प्रो० वीना बत्रा, पूर्व आचार्य डॉ० भारत भूषण तथा आयोजक मंडल के सदस्य डॉ० गौरीशंकर चौहान, डॉ प्रदीप कुमार साहनी, डॉ० प्रदीप राजोरिया तथा विभाग के समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे ।

पीपल-वाटिका के निर्माण से हुआ दीक्षांत समारोह सप्ताह की शुरूआत

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। कुलपति प्रो पूनम टंडन ने 43वें दीक्षांत समारोह सप्ताह का शुभारंभ कला संकाय भवन परिसर में पीपल पौधारोपण के साथ किया। राष्ट्रीय सेवा योजना कला संकाय भवन परिसर में पीपल वाटिका विकसित करेगा। इस कार्यक्रम में एनएसएस के समन्वयक, कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा प्रस्तावित पीपल-वाटिका निर्माण, दीक्षांत सप्ताह समारोह के विभिन्न कार्यक्रमों मे प्रथम कार्यक्रम के रूप में आयोजन समिति द्वारा अनुमति मिली थी, जिसके क्रम में आज कुलपति के कर कमलों से यह सकुशल सम्पन्न हुआ।

छात्रों ने प्रसन्नता के भावों को रंगोली के माध्यम से दशार्या

गोरखपुर ।दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वियादलय के 43वें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में 23 से एक सप्ताह तक होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत आज मनोविज्ञान विभाग में रंगोली एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

रंगोली प्रतियोगिता का थीम प्रसन्नता का प्रतिविम्ब रखा गया जिसके अंतर्गत छात्राओं ने रंगोली के माध्यम से प्रसन्नता के भाव को विभिन्न पहलुओं के द्वारा प्रदर्शित किया। पोस्टर प्रतियोगिता का थीम रैगिंग एवं साइबर बुल्लि्यंग के मनोवैज्ञानिक प्रभाव था , जहाँ छात्रों ने पोस्टर के माध्यम से इसके दुष्प्रभावों को दिखाया. रैगिंग एवं साइबर बुल्लि्यंग के परिणामस्वरुप युवायों में एवं आत्मघाती विचार की बढती प्रवृति, अवसाद , कॉलेज ड्राप जैसी घटनाओं को पोस्टर द्वारा इंगित किया।

Super Fast Times

43 वें दीक्षांत समारोह पर होगा दो दिवसीय सैरा चित्र प्रदर्शनी का आयोजन

कुलपति ने किया उद्घाटन, कलाप्रेमियों एवं विद्यार्थियों ने दिखाई विशेष रुचि

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के 43वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर ललित कला एवं संगीत विभाग द्वारा दो दिवसीय "सैरा चित्र प्रदर्शनी" का आयोजन अमृता कला वीथिका में किया गया । प्रदर्शनी का उद्घाटन गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने दीप प्रज्वलन कर तथा कैनवस पर रंग,ब्रश द्वारा 43 लिखकर 43 वें दीक्षांत समारोह का शुभारंभ किया । बतौर मुख्य अतिथि उन्होंने कहा कि ललित कला और संगीत विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा सैरा चित्र प्रदर्शन में अत्यंत ही मोहक प्राकृतिक दृश्यों को उकेरा गया है ।प्रकृति की सुंदरता सभी को प्रभावित और आकर्षित करती हैं हम सभी प्रकृति की गोद में पलते और बढ़ते है चित्रकार आदिकाल से ही अपनी कृतियों में प्रकृति का अंकन करता चला आ रहा है और अपनी कला द्वारा जनमानस को आनंदित करता रहा है सभी कलाकारों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा की अपनी कला को अपने शहर से निकालकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने की आवश्यकता है । प्रदर्शनी की संयोजिका प्रोफेसर उषा सिंह ने कहा कि सैरा चित्र प्रदर्शनी में कुल 50 नवोदित चित्रकारों के चित्र प्रदर्शित किए गए जो पूरी तरह से प्राकृतिक सौंदर्य पर आधारित हैं इस चित्र प्रदर्शनी से ललित कला एवं संगीत विभाग के सभी विद्यार्थियों में बहुत उत्साह है । प्रदर्शनी में जिन चित्रकारों के चित्र प्रदर्शित हुए उनमें विष्णु देव शर्मा,आकाश यादव,देवानंद अनुष्का साहनी,निधि पासवान,सनी निषाद,उज्जमा फातिमा,अंकित पटेल, काजल भारती,बबीता यादव,रूबी पासवान,तृप्ति,अंजना,सुमन कुमारी,मोनिका रावत,प्रियंका गौतम,आदेश राज,विजय शर्मा,ज्योति शर्मा,हर्षिता आर्य,प्रकाश राव,चंदन सिंह,अनामिका कुमारी,शालू सिंह, तुषार सोनकर आदि थे।इस असवर पर प्रो० कीर्ति पाण्डेय (अधिष्ठाता कला संकाय) प्रो० अनुभूति दुबे (अधिष्ठाता छात्र कल्याण) प्रो०नंदिता आई० पी० सिंह ,प्रो०उमेश नाथ तिवारी,प्रो० गौर हरी बेहरा,प्रो० वीना बत्रा,पूर्व आचार्य डॉ० भारत भूषण तथा आयोजक मंडल के सदस्य डॉ० गौरीशंकर चौहान, डॉ प्रदीप कुमार साहनी,डॉ० प्रदीप राजोरिया तथा विभाग के समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रमाणपत्र सत्यापन न कराने वालों के आवंटन होंगे निरस्त

फामेर्सी और बीसीए के लिए आवेदन प्रक्रिया शनिवार से

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की विभिन्न कक्षाओं के लिए प्रवेश की दूसरी काउंसलिंग गुरुवार को समाप्त हो गई। प्रमाण पत्रों के सत्यापन के बाद परिसर में आवंटित 96 प्रतिशत सीटों पर प्रवेश पूरा हो चुका है। इस सत्र में लगभग सभी कोर्सेज में द्वितीय चरण तक ही गत वर्ष से अधिक सीटों पर प्रवेश पूरा हो चुका है। बीए आनर्स की ऑफलाइन काउंसलिंग भी कल समाप्त हो चुकी है जहां गत वर्ष की तुलना में बारह फीसदी से अधिक सीटो पर प्रवेश हुआ है। प्रवेश फीस जमा करने के बावजूद अब तक किन्हीं कारणों से प्रमाणपत्र सत्यापन न करा पाने वाले अभ्यर्थियों को 24 अगस्त तक अंतिम अवसर दिया गया है। इसके बाद उनके आवंटन निरस्त कर दिए जाएंगे। यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो० हर्ष कुमार सिन्हा ने बताया कि केंद्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया में सम्मिलित महाविद्यालयों में भी अनेक कोर्सेज में प्रवेश कार्य 90 प्रतिशत पूरा हो चुका है। जिन कोर्सेज में सीट आवंटन के बाद अभ्यर्थियों ने अग्रेतर प्रक्रिया पूरी नहीं की है वहां उन अभ्यर्थियों के आवंटन भी निरस्त कर नए अभ्यर्थियों को सीटें आवंटित की जायेंगी। उन्होंने बताया कि जिन पाठ्यक्रमों में सीटें रिक्त रह जाएंगी वहां अंतिम चरण की काउंसलिंग के विषय में विचार किया जाएगा। इस बारे में निर्देश प्रवेश पोर्टल पर जारी कर दिए जाएंगे।

बी फार्मा ,डी फार्मा और नए बीसीए कोर्सेज के आवेदन शनिवार से

उन्होंने बताया कि परिसर में इस सत्र से प्रारंभ होने वाले बी फार्मा, डी फार्मा ,एम एस (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस),बीसीए(मशीन लर्निंग एंड डेटा साइंस) तथा बीसीए (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) के लिए प्रवेश प्रक्रिया आज से शुरू होगी।

पर्यावरण ,बनारस और नारीवाद विषयों पर प्रतिभागियों ने लिखीं रचनाएं

- कविता व कहानी के माध्यम से छात्र-छात्राओं ने दिखाई अपनी रचनात्मकता
- डीडीयू के अंग्रेजी विभाग द्वारा दीक्षांत सप्ताह के अवसर पर हुआ रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 43वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर दीक्षांत सप्ताह के अंतर्गत आयोजित गतिविधियों की श्रृंखला में अंग्रेजी विभाग ने 23 अगस्त को रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में विभाग के परास्नातक एवं शोध छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी साहित्यिक प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्रों ने अपनी लेखनी के माध्यम से न केवल साहित्यिक कौशल का प्रदर्शन किया,बल्कि अपनी रचनात्मकता,विचारशीलता,और नए दृष्टिकोण को भी प्रस्तुत किया। उनकी रचनाओं में विभिन्न विषयों और शैलियों की व्यापकता ने विभाग की पोषित रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को उजागर किया। इस अवसर पर अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रो० अजय कुमार शुक्ल ने प्रतियोगिता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा,रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता ने छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा के विकास के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया है। यह आयोजन छात्रों के बौद्धिक और रचनात्मक क्षमताओं को विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं छात्रों को समकालीन मुद्दों पर अपने विचार प्रकट करने,नए विचारों की खोज करने और भविष्य के लिए अपनी दृष्टि साझा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती हैं। दीक्षांत समारोह के अवसर पर यह पहली बार है जब कुलपति प्रो०पूनम टंडन के मार्गदर्शन में दीक्षांत सप्ताह के अवसर विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से छात्र-छात्राओं की रचनात्मकता को निखारने के लिए उनका प्रतिभाग सुनिश्चित किया जा रहा है। इस अवसर पर अंग्रेजी विभाग के शिक्षक डॉ०पंकज कुमार सिंह, डॉ०आमोद राय, डॉ० कल्पना दिवाकर आदि उपस्थित रहे। प्रतिभागियों में विभाग के शोध छात्रा दीपिका त्रिपाठी,मधुकर राय, अभिनेश्वर गोस्वामी, प्रियंका मिश्रा, दिव्या राय, खुशबू जायसवाल, विष्णु मिश्रा, योगेंद्र प्रताप सिंह तथा परास्नातक के आरूषी गौतम, आकांक्षा यादव, अमिता, सना, श्वेता, प्रकृति सिंह, रितेश, दीप, प्रतिष्ठा आदि ने प्रतिभाग किया।

43वें दीक्षांत समारोह कार्यस्थल पर महिला सुरक्षा विषयक संगोष्ठी का आयोजन

कार्यस्थल पर महिला सुरक्षा पर जीरो टोलरेन्स की नीतिः कुलपति

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के 43वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर गोरखपुर यूनिवर्सिटी विमेंस वेलफेयर एसोसिएशन व इन्टरनल कंप्लेंट कमेटी द्वारा "कार्यस्थल पर महिला सुरक्षा" विषयक संगोष्ठी का संवाद भवन में आयोजन हुआ इस संगोष्ठी की अध्यक्षता कुलपति प्रो०पूनम टंडन ने की,मुख्य वक्ता डॉ०अमृता जयपुरियार एवं डॉ. अंशिका वर्मा, आईपीएस की उपस्थिति रही। अपने सम्बोधन में कुलपति प्रो० पूनम टंडन ने कहा की संस्थाओं में महिला सुरक्षा और अधिक पुख्ता करने की जरुरत है। इस संदर्भ जीरो टोलरेन्स की नीति पर काम करना होगा ।महिला सुरक्षा मामले में गठित संस्थानिक समितियों का विशेष महत्व है ।उन्होंने महिला छात्रावासों में पिंक बूथ बनाने एवं काउंसलिंग सेशन आयोजित करने का सुझाव दिया। डॉ० अमृता जयपुरियार समाज में महिलाओं के महत्व पर सम्बोधित किया। उन्होंने महिलाओं के खिलाफ अपराध के लिए नशा और मानसिक विकार को जिम्मेदार बताया। उन्होंने समाज में फैली अराजकता का मुख्य कारण सोशल मीडिया,डेटिंग ऐप्स से भी छात्रों को सुरक्षित रहने की सलाह दी।

विद्यार्थियों से भी हुआ संवाद

अंशिका वर्मा,सहायक पुलिस अधीक्षक,गोरखपुर ने अलग-अलग तरह के उत्पीड़न के बारे में बताया। उन्होंने महिला हेल्पलाइन एवं साइबर क्राइम के बारे में बताया। उन्होंने संगोष्ठी में मौजूद विद्यार्थियों से संवाद भी किया और उनकी शिकायतों को सुनकर समाधान करने की भी कोशिश की। प्रो०नंदिता आई पी सिंह ने गुवा की स्थापना और उसके कार्यों जानकारी दी ।महिलाओं की सुरक्षा और जिम्मेदारियों के बारे में भी बताया। प्रो.प्रज्ञा चतुवेर्दी ने आईसीसी के गठन में यूजीसी की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया। महिला सुरक्षा, पुराने युग में उनकी सुरक्षा,आईसीसी की कार्यप्रणाली के बारे में बताया। आईसीसी द्वारा शिकायत दर्ज होने पर काम करने के तरीके के बारे में बताया। कोई भी मानसिक शारीरिक उत्पीड़न से प्रभावित शिक्षक और छात्र शिकायत कर सकता है। शिकायत,घटना के 3 घंटे के अंदर ही करनी होती है। कार्यक्रम का संचालन डॉ० अर्चना भदोरिया ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो सुनीता मुर्मू ने दिया। कार्यक्रम के दौरान प्रो०हर्ष सिन्हा, प्रो० सुधा यादव, प्रो० सुषमा पांडेय, प्रो०उषा सिंह, प्रो०अनुभूति दुबे , प्रो०दिव्या रानी सिंह, प्रो० विनोद सिंह, डॉ०गीता सिंह, डॉ०कुसुम रावत, डॉ०विस्मिता पालीवाल, डॉ०कल्पना डॉ०प्रीति गुप्ता, राज लक्ष्मी, एकता सोनकर और डॉ०प्रवीण सिंह आदि उपस्थित रहे।